प्रश्न-अभ्यास

1. पुस्तक के पहले अध्याय के पहले अनुच्छेद में लेखक ने सजीव ढंग से अवध की तसवीर प्रस्तुत की है। तुम भी अपने आसपास की किसी जगह का ऐसा ही बारीक चित्रण करो। यह चित्रण मोहल्ले के चबूतरे, गली की चहल-पहल, सड़क के नज़ारे आदि किसी का भी हो सकता है जिससे तुम अच्छी तरह परिचित हो।
2. विश्वामित्र जानते थे कि क्रोध करने से यज्ञ पूरा नहीं होगा, इसलिए वे क्रोध को पी गए। तुम्हें भी कभी-कभी गुस्सा आता होगा। तुम्हें कब-कब गुस्सा आता है और उसका क्या परिणाम होता है?
3. राम और लक्ष्मण ने महाराज दशरथ के निर्णय को खुशी-खुशी स्वीकार किया। तुम्हारी समझ में इसका क्या कारण रहा होगा?
4. विश्वामित्र ने कहा, "ये जानवर और वनस्पतियाँ जंगल की शोभा हैं। इनसे कोई डर नहीं है।" उन्होंने ऐसा क्यों कहा?
5. लक्ष्मण ने शूर्पणखा के नाक-कान काट दिए। क्या ऐसा करना उचित था? अपने उत्तर का कारण बताओ।
6. विश्वामित्र और कैकेयी दोनों ही दशरथ को रघुकुल के वचन निभाने की प्रथा याद दिलाते हैं। तुम अपने अनुभवों की मदद से बताओ कि क्या दिया हुआ वचन निभाना हमेशा संभव होता है?
7. मान लो कि तुम्हारे स्कूल में रामकथा को नाटक के रुप में खेलने की तैयारी चल रही है। तुम इस नाटक में उसी पात्र की भूमिका निभाना चाहते हो जो तुम्हें सबसे ज़्यादा अच्छी, दिलचस्प या आकर्षक लगती है। वह पात्र कौन सा है और क्यों?
8. सीता बिना बात के राक्षसों के वध के पक्ष में नहीं थीं जबकि राम राक्षसों के विनाश को ठीक समझते थे। तुम किससे सहमत हो–राम से या सीता से? कारण बताते हुए उत्तर दो।

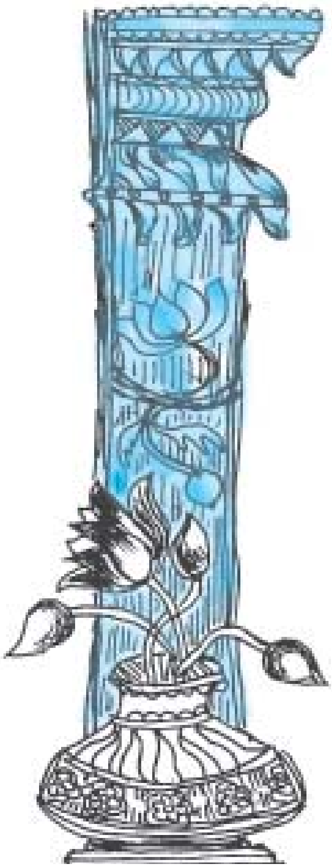

9. रामकथा के तीसरे अध्याय में मंथरा कैकेयी को समझाती है कि राम को युवराज बनाना उसके बेटे के हक में नहीं है। इस प्रसंग को अपने शब्दों में कक्षा में नाटक के रूप में प्रस्तुत करो।

10. तुमने 'जंगल और जनकपुर' तथा 'दंडक वन में दस वर्ष' में राक्षसों द्वारा मुनियों को परेशान करने की बात पढ़ी। राक्षस ऐसा क्यों करते थे? क्या यह संभव नहीं था कि दोनों शांतिपूर्वक वन में रहते? कारण बताते हुए उत्तर दो।

11. हनुमान ने लंका से लौटकर अंगद और जामवंत को लंका के बारे में क्या-क्या बताया होगा?

12. तुमने बहुत सी पौराणिक कथाएँ और लोक कथाएँ पढ़ी होंगी। उनमें क्या अंतर होता है? यह जानने के लिए पाँच-पाँच के समूह में कक्षा के बच्चे दो-दो पौराणिक कथाएँ और लोक कथाएँ इकट्ठा करें। कथ्य (कहानी), भाषा आदि के अनुसार दोनों प्रकार की कहानियों का विश्लेषण करें और उनके अंतर लिखें।

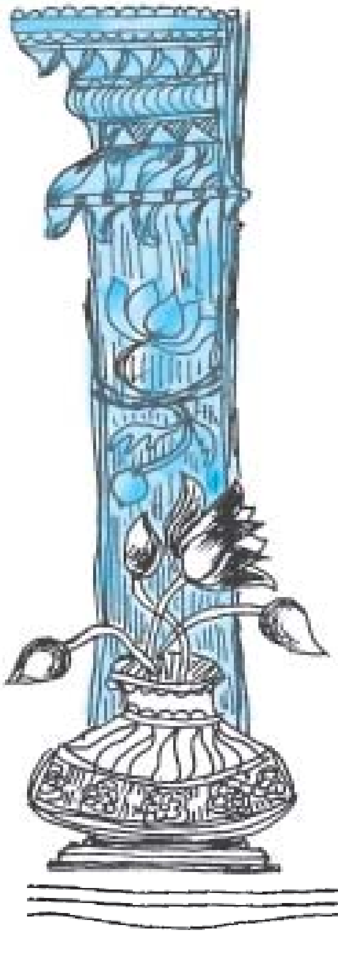

13. क्या होता यदि—
    (क) राजा दशरथ कैकेयी की प्रार्थना स्वीकार नहीं करते।
    (ख) रावण ने विभीषण और अंगद का सुझाव माना होता और युद्ध का फैसला न किया होता।

14. नीचे कुछ चारित्रिक विशेषताएँ दी गई हैं और तालिका में कुछ पात्रों के नाम दिए गए हैं। प्रत्येक नाम के सामने उपयुक्त विशेषताओं को छाँटकर लिखो–

पराक्रमी, साहसी, निडर, पितृभक्त, वीर, शांत, दूरदर्शी, त्यागी, लालची, अज्ञानी, दुश्चरित्र, दीनबंधु, गंभीर, स्वार्थी, उदार, धैर्यवान, अड़ियल, कपटी, भक्त, न्यायप्रिय और ज्ञानी।

राम	____________	सीता	____________
लक्ष्मण	____________	कैकेयी	____________
रावण	____________	हनुमान	____________
विभीषण	____________	भरत	____________

15. तुमने अपने आसपास के बड़ों से रामायण की कहानी सुनी होगी। रामलीला भी देखी होगी। क्या तुम्हें अपनी पुस्तक रामकथा की कहानी और बड़ों से

सुनी रामायण की कहानी में कोई अंतर नज़र आया? यदि हाँ तो उसके बारे में कक्षा में बताओ।

16. रामकथा में कई नदियों और स्थानों के नाम आए हैं। इनकी सूची बनाओ और एटलस में देखो कि कौन-कौन सी नदियाँ और जगहें अभी भी मौजूद हैं। यह काम तुम चार-चार के समूह में कर सकते हो।

17. यह रामकथा *वाल्मीकि रामायण* पर आधारित है। तुलसीदास द्वारा रचित *रामचरितमानस* के बारे में जानकारी इकट्ठी करो और उसे चार्टपेपर पर लिखकर कक्षा में लगाओ।

    जानकारी प्रस्तुत करने के निम्नलिखित बिंदु हो सकते हैं—

    - रामकथा का नाम
    - रचनाकार का नाम
    - भाषा / प्रांत

18. 'नगर में बड़ा समारोह आयोजित किया गया। धूमधाम से।' (पृ. 3)

    'एक दिन ऐसी ही चर्चा चल रही थी। गहन मंत्रणा।' (पृ. 4)

    'पाँच दिन तक सब ठीक-ठाक चलता रहा। शांति से। निर्विघ्न।' (पृ. 10)

    रामकथा की इन पंक्तियों में कुछ वाक्य केवल एक या दो शब्दों के हैं। ऐसा लेखक ने किसी बात पर बल देने के लिए, उसे प्रभावशाली बनाने के लिए या नाटकीय बनाने के लिए किया है। ऐसे कुछ और उदाहरण पुस्तक से छाँटो और देखो कि इन एक-दो शब्दों के वाक्य को पिछले वाक्य में जोड़कर लिखने से बात के असर में क्या फ़र्क पड़ता है। उदाहरण के लिए—

    'पाँच दिन तक सब शांति से, निर्विघ्न और ठीक-ठाक चलता रहा।'

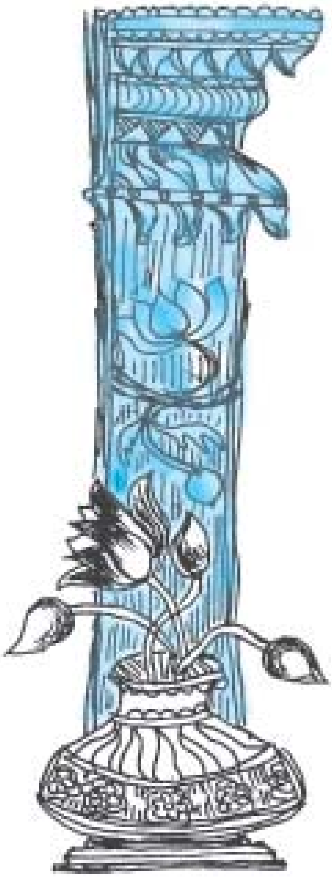

लेखक परिचय

मधुकर उपाध्याय का जन्म पहली सितंबर 1956 को अयोध्या में हुआ। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा तथा डिग्री वहीं से हासिल की।

पेशे से पत्रकार मधुकर उपाध्याय की अब तक पंद्रह पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं। इनमें से कुछ का अन्य भारतीय भाषाओं में अनुवाद हुआ है।

पत्रकारिता और रचनात्मक लेखन की दूरी पाटते हुए मधुकर ने महात्मा गांधी के ऐतिहासिक दांडी मार्च की पुनरावृत्ति की और उस पर पुस्तक लिखी – *धुँधले पदचिह्न*। उनकी अन्य चर्चित पुस्तकों में *किस्सा पांडे सीताराम*, *पचास दिन पचास साल पहले*, *युद्धकला* और *हे वसुधा* शामिल हैं। *हे वसुधा* अथर्ववेद के पृथिवी सूक्त का भावानुवाद है। उनकी चार पुस्तकें अंग्रेज़ी में हैं।

मुधकर ने पाँच नाटक लिखे। उनका एक कविता संग्रह भी प्रकाशित हुआ है। उन्होंने भारत को समझने के लिए सड़क मार्ग से देश में 62,000 किलोमीटर की यात्रा की। मधुकर ने बीस से अधिक देशों का भ्रमण किया है।

संप्रति वे *लोकमत समाचार* के प्रधान संपादक हैं और नागपुर में रहते हैं।